भारत सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या 363
दिनांक 13 दिसम्बर, 2019 को उत्तर के लिए

युवाह कार्यक्रम

*363. श्री प्रभुभाई नागरभाई वसावाः
श्री ए॰ राजाः

क्या महिला और बाल विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा हाल ही में देशभर में आरंभ किये गये ''युवाह'' कार्यक्रम की प्रमुख विशेषताएं क्या हैं और इसके लिये गुजरात एवं तमिलनाडु सहित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार कितनी धनराशि व्यय किये जाने का प्रस्ताव है;

(ख) उन राज्यों की संख्या और ब्यौरा क्या है जिन्हें इस कार्यक्रम के अंतर्गत सम्मिलित किये जाने की संभावना है;

(ग) क्या सरकार ने इस कार्यक्रम के अंतर्गत यूनिसेफ के साथ कोई समझौता किया है अथवा इस कार्यक्रम के अंतर्गत किसी अन्य संगठन के साथ किसी समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) उन क्षेत्रों का ब्यौरा क्या है जिन्हें इस कार्यक्रम के अंतर्गत सम्मिलित किये जाने की संभावना है और इसके अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य क्या हैं; और

(ड.) क्या सरकार की इस कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों (विशेषकर महिलाओं) को सम्मिलित करने की योजना है, यदि हां, तो गुजरात एवं तमिलनाडु सहित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यह कार्यक्रम कब तक कार्यान्वित किये जाने की संभावना है?

उत्तर

श्रीमती स्मृति ज़ुबिन ईरानी — महिला एवं बाल विकास मंत्री

(क) से (ड.) : विवरण सदन के पटल पर प्रस्तुत है ।

*****

'युवाह कार्यक्रम' के बारे में श्री प्रभुभाई नागरभाई वसावा तथा श्री ए॰ राजा द्वारा दिनांक 13 दिसम्बर, 2019 को पूछे जाने वाले लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 363 के उत्तर के भाग (क) से (ड) में संदर्भित विवरण ।

भाग (क) से (ड) : भारत में दिनांक 01.11.2019 को शुरू किए गए ''युवाह'' (जनरेशन अनलिमिटेड) कार्यक्रम का ब्योरा इस प्रकार है :

यूनिसेफ ने बताया है कि उन्होंने भारत में ''युवाह'' (जनरेशन अनलिमिटेड) कार्यक्रम दिनांक 01.11.2019 को शुरू किया है । यूनिसेफ के अनुसार, भारत में युवाह नामक जनरेशन अनलिमिटेड कार्यक्रम एक बहु-हितधारक गठबंधन है जिसका उद्देश्य युवाओं को उत्पादक जीवन और काम के भविष्य के लिए प्रासंगिक कौशल प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करना है । युवाह के लक्षित आयु वर्ग में किशोरियां और लड़के शामिल हैं और इसका मुख्य मिशन औपचारिक शिक्षा प्रणालियों के आंतरिक एवं बाह्य युवाओं के लिए मूलभूत, हस्तांतरणीय तथा 21वीं सदी के कौशल तक पहुंच को बढ़ावा देना है, जिसमें मूलभूत कौशल, जीवन कौशल और लचीले अधिगम को परिभाषित करना तथा प्रभावशाली वितरण मॉडल की पहचान करना एवं स्केलिंग शामिल है । साथ ही, यूनिसेफ ने यह कहा है कि युवाह मार्किट अवसरों (कैरियर मार्ग-दर्शन, मेंटरशिप, इंटर्नशिप, प्रशिक्षुता) के बारे में मार्गदर्शन के लिए प्लेटफार्म सृजित करना और स्कूली शिक्षा में कैरियर मार्गदर्शन का समेकन सुलभ कराना चाहता है ।

यूनिसेफ के अनुसार, अटल नवोन्मेष मिशन, पंजाब राज्य सरकार और संयुक्त राष्ट्र संघ एजेंसियों, निजी क्षेत्र तथा सिविल सोसायटी सहित अन्य भागीदारों के साथ आशय के वक्तव्य पर हस्ताक्षर कर दिए गए हैं ।

*****